# 3rd Convocation ICFAI University, Raipur

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा • असम
Rajdhani - 13 Sep 2026 - 13rd2
epaper.navabharat.news

# डिजिटल एडिक्शन किसी भी अन्य एडिक्शन से अधिक खतरनाक : डेका

## विद्यार्थियों को गोल्ड व सिल्वर मेडल से किया गया सम्मानित

**नवभारत ब्यूरो। रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका आज आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में वर्ष 2025 व वर्ष 2026 शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों को विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक प्रदान किए गए, जिनमें 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 16 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल शामिल हैं। स्नातकोत्तर व स्नातक स्तर पर कुल 504 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप इंटरनेट युग के विद्यार्थी हैं, जबकि हम उस दौर के विद्यार्थी हैं, जब शिक्षा चाक ,पेंसिल, पुस्तकों और गुरुओं के माध्यम से प्राप्त करते थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज बहुत जरूरी है, लेकिन इसका उपयोग उतना ही होना चाहिए, जितना मानव समाज के हित में आवश्यक है। आज डिजिटल एडिक्शन किसी भी अन्य एडिक्शन से अधिक खतरनाक हो गया है। विद्यार्थियों को तकनीक का सदुपयोग करते हुए इसके दुष्प्रभावों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर एनर्जी, क्लाइमेट चेंज और माइक्रो प्लास्टिक आज दुनिया के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. आदित्य खरे, शासी परिषद व कार्य परिषद के सदस्य, अधिष्ठाता, प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं व अभिभावक मौजूद थे।

### विद्यार्थियों का पढ़ाई और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रहे

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को भगवत गीता के कर्मयोग का संदेश देते हुए कहा कि कर्म ही जीवन है। हमें इस बात की चिंता किए बिना कि दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, अपने कर्म, पढ़ाई और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपका ज्ञान कोई आपसे नहीं छीन सकता। अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनें और सही रास्ते पर आगे बढ़ें। समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य डॉ. वी. सतीश रेड्डी तथा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर आरपी कौशिक ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। कुलपति प्रोफेसर डॉ. शिव दयाल पांडे ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

# दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से गौरवपूर्ण और भावुक करने वाला पल होता है: राज्यपाल डेका

■ आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह सम्पन्न

कुम्हारी, 13 सितम्बर (देशबन्धु)। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय ने अपने तीसरे दीक्षांत समारोह का भव्य और गरिमामय तरीके से सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन न केवल विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि थी, बल्कि उन छात्रों के जीवन में भी एक अविस्मरणीय क्षण था, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के बल पर उच्च शिक्षा की अपनी यात्रा पूरी की।

समारोह में छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल थे, जिससे इस अवसर की गरिमा और भी बढ़ गई। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) के सदस्य डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन दिया। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक और छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग (सीजीपीयूआरसी) के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक, कुलपति प्रो. (डॉ.) शिव दयाल पांडे, शासी निकाय के सम्मानित सदस्य, रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य खरे, आमंत्रित अतिथि, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, अभिभावक और स्नातक होने वाले छात्र शामिल थे।

दीक्षांत समारोह महज उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन से उसके पेशेवर और सामाजिक जीवन में संक्रमण का प्रतीक है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को यह संदेश देता है कि वे न केवल ज्ञान से, बल्कि चरित्र, संवेदनशीलता, नैतिकता, नवाचार की भावना, अनुसंधान, उद्यमिता और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से भी परिपूर्ण होकर आगे बढ़ें। समारोह का शुभारंभ निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार विशिष्ट अतिथियों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों के आगमन के साथ हुआ। इसके बाद, गणमान्य व्यक्तियों ने दीक्षांत समारोह के वस्त्र धारण किए और औपचारिक जुलूस के भाग के रूप में दीक्षांत समारोह भवन में प्रवेश किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान 'वंदे मातरम' और राज्यगीत की गरिमामयी प्रस्तुतियों से हुआ। इसके बाद ज्ञान, प्रकाश और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति श्रद्धा




का प्रतीक दीप प्रज्वलन किया गया। मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ भेंट किए गए।

विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने इसकी शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास, छात्रों की सफलताओं और भविष्य की शैक्षणिक दिशा पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, "आज आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर के लिए अत्यंत गौरव का दिन है। यह तीसरा दीक्षांत समारोह हमारे छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाता है और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारा उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं है, बल्कि युवा व्यक्तियों को ज्ञानवान, जिम्मेदार, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नवोन्मेषी नागरिक बनाना है।

इसके बाद, छात्रों को विश्वविद्यालय के प्रति उनके दायित्वों, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र एवं समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों के संबंध में शपथ दिलाई गई। कुलाधिपति की अनुमति और उपस्थिति में, योग्य छात्रों को डिग्री प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

छात्रों की परीक्षा आयोजित करने के बाद परीक्षा नियंत्रक ने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों के नामों की घोषणा की।

समारोह में कुलपति प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक के विचारों की उपस्थिति रही, जिन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक दृष्टिकोण, मूल्यों और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया।

मुख्य वक्ता डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने अपने संबोधन में छात्रों को वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ने और अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, "प्रिय छात्रों, आज आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण और यादगार दिन है। इस उपलब्धि पर आप सभी को हार्दिक बधाई।"

विशेष अतिथि, सीजीपीयूआरसी के अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार गोयल ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, जवाबदेही, नैतिकता, अकादमिक उत्कृष्टता और छात्रों के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, "आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में उपस्थित होना मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। मैं सभी स्नातक छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों और शिक्षकों को हार्दिक बधाई देता हूं।"

मुख्य अतिथि और माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, "दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से भावुक और गौरवपूर्ण अवसर है, क्योंकि वे अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक चरण को पूरा कर रहे हैं और इस प्रकार अपने माता-पिता, परिवार और शिक्षकों की अपेक्षाओं और मार्गदर्शन को साकार कर रहे हैं। मुझे आज आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस शुभ अवसर पर मैं सभी स्नातक विद्यार्थियों, उनके माता-पिता, शिक्षकों और विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने आगे कहा कि आज के युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए, अपने पेशे के प्रति सजग रहना चाहिए और अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, जिससे निश्चित रूप से भारत एक बेहतर देश बनेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए।

दीक्षांत समारोह का समापन आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य खरे द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय का यह तीसरा दीक्षांत समारोह छात्रों के जीवन में नई दिशा और ऊर्जा का संचार करेगा, जो ज्ञान, उपलब्धि, मूल्यों और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का उत्सव होगा। तीसरा दीक्षांत समारोह एक गरिमामय आयोजन के रूप में संपन्न हुआ।

# 'दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से गौरवपूर्ण और भावुक करने वाला पल होता है'- राज्यपाल रमेन डेका

**-आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह संपन्न।**

कुम्हारी (कुबेर भूमि)। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय ने अपने तीसरे दीक्षांत समारोह का भव्य और गरिमामय तरीके से सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन न केवल विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि थी, बल्कि उन छात्रों के जीवन में भी एक अविस्मरणीय क्षण था, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के बल पर उच्च शिक्षा की अपनी यात्रा पूरी की।

समारोह में छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जिससे इस अवसर की गरिमा और भी बढ़ गई। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) के सदस्य डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन दिया। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आर. पी.




कौशिक और छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग (सीजीपीयूआरसी) के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आर पी. कौशिक, कुलपति प्रो. (डॉ.) शिव दयाल पांडे, शासी निकाय के सम्मानित सदस्य, रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य खरे, आमंत्रित अतिथि, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, अभिभावक और स्नातक होने वाले छात्र उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह महज उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन से उसके पेशेवर और सामाजिक जीवन में संक्रमण का प्रतीक है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को यह संदेश देता है कि वे न केवल ज्ञान से, बल्कि चरित्र, संवेदनशीलता, नैतिकता, नवाचार की भावना, अनुसंधान, उद्यमिता और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से भी परिपूर्ण होकर आगे बढ़ें। समारोह का शुभारंभ निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार विशिष्ट अतिथियों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों के आगमन के साथ हुआ। इसके बाद, गणमान्य व्यक्तियों ने दीक्षांत समारोह के वस्त्र धारण किए और औपचारिक जुलूस के भाग के रूप में दीक्षांत समारोह भवन में प्रवेश किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान «वंदे मातरम» और राजगीत की गरिमामयी प्रस्तुतियों से हुआ। इसके बाद ज्ञान, प्रकाश और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति श्रद्धा का प्रतीक दीप प्रज्वलन किया गया। मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ भेंट किए गए। विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने इसकी शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास, छात्रों की सफलताओं और भविष्य की शैक्षणिक दिशा पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर के लिए अत्यंत गौरव का दिन है। यह तीसरा दीक्षांत समारोह हमारे छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाता है और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारा उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं है, बल्कि युवा व्यक्तियों को ज्ञानवान, जिम्मेदार, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नवोन्मेषी नागरिक बनाना है।' इसके बाद, छात्रों को विश्वविद्यालय के प्रति उनके दायित्वों, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र एवं समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों के संबंध में शपथ दिलाई गई। कुलाधिपति की अनुमति और उपस्थिति में, योग्य छात्रों को डिग्री प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की गई। छात्रों की परीक्षा आयोजित करने के बाद परीक्षा नियंत्रक ने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों के नामों की घोषणा की। समारोह में कुलपति प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक के विचारों की उपस्थिति रही, जिन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक दृष्टिकोण, मूल्यों और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया। मुख्य वक्ता डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने अपने संबोधन में छात्रों को वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ने और अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'प्रिय छात्रों, आज आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण और यादगार दिन है। इस उपलब्धि पर आप सभी को हार्दिक बधाई।' विशेष अतिथि, सीजीपीयूआरसी के अध्यक्ष प्रोफेसर विजय कुमार गोयल ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, जवाबदेही, नैतिकता, अकादमिक उत्कृष्टता और छात्रों के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, ' आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में उपस्थित होना मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। मैं सभी स्नातक छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों और शिक्षकों को हार्दिक बधाई देता हूं।'

मुख्य अतिथि और माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से भावुक और गौरवपूर्ण अवसर है, क्योंकि वे अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक चरण को पूरा कर रहे हैं और इस प्रकार अपने माता-पिता, परिवार और शिक्षकों की अपेक्षाओं और मार्गदर्शन को साकार कर रहे हैं। मुझे आज आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस शुभ अवसर पर मैं सभी स्नातक विद्यार्थियों, उनके माता-पिता, शिक्षकों और विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई देता हूं।' उन्होंने आगे कहा कि आज के युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए, अपने पेशे के प्रति सजग रहना चाहिए और अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, जिससे निश्चित रूप से भारत एक बेहतर देश बनेगा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए।

# 'दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से गौरवपूर्ण और भावुक करने वाला पल होता है' : राज्यपाल रामेन डेका

कुम्हारी (महाकोशल)। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय ने अपने तीसरे दीक्षांत समारोह का भव्य और गरिमामय तरीके से सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह आयोजन न केवल विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि थी, बल्कि उन छात्रों के जीवन में भी एक अविस्मरणीय क्षण था, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा के बल पर उच्च शिक्षा की अपनी यात्रा पूरी की। समारोह में छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल रामेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जिससे इस अवसर की गरिमा और भी बढ़ गई। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसके




अतिरिक्त, प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) के सदस्य डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने मुख्य वक्ता के रूप में उद्बोधन दिया। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक और छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग (सीजीपीयूआरसी) के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक, कुलपति प्रो. (डॉ.) शिव दयाल पांडे, शासी निकाय के सम्मानित सदस्य, रजिस्ट्रार डॉ. आदित्य खरे, आमंत्रित अतिथि, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, अभिभावक और स्नातक होने वाले छात्र उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह महज उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थी के शैक्षणिक जीवन से उसके पेशेवर और सामाजिक जीवन में संक्रमण का प्रतीक है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को यह संदेश देता है कि वे न केवल ज्ञान से, बल्कि चरित्र, संवेदनशीलता, नैतिकता, नवाचार की भावना, अनुसंधान, उद्यमिता और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से भी परिपूर्ण होकर आगे बढ़ें। समारोह का शुभारंभ निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार विशिष्ट अतिथियों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों के आगमन के साथ हुआ। इसके बाद, गणमान्य व्यक्तियों ने दीक्षांत समारोह के वस्त्र धारण किए और औपचारिक जुलूस के भाग के रूप में दीक्षांत समारोह भवन में प्रवेश किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान 'वंदे मातरम' और राजगीत की गरिमामयी प्रस्तुतियों से हुआ। इसके बाद ज्ञान, प्रकाश और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति श्रद्धा का प्रतीक दीप प्रज्वलन किया गया। मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ भेंट किए गए। विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कुलपति ने इसकी शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास, छात्रों की सफलताओं और भविष्य की शैक्षणिक दिशा पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज आईसीएफएआई विश्वविद्यालय रायपुर के लिए अत्यंत गौरव का दिन है। यह तीसरा दीक्षांत समारोह हमारे छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाता है और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारा उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं है, बल्कि युवा व्यक्तियों को ज्ञानवान, जिम्मेदार, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नवोन्मेषी नागरिक बनाना है।' इसके बाद, छात्रों को विश्वविद्यालय के प्रति उनके दायित्वों, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र एवं समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों के संबंध में शपथ दिलाई गई। कुलाधिपति की अनुमति और उपस्थिति में, योग्य छात्रों को डिग्री प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

**दीक्षांत समारोह** | राज्यपाल ने नशे से दूर रहने किया प्रेरित

# सही दिशा चुनकर भविष्य बनाएं: डेका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**कुम्हारी** . दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से गौरवपूर्ण और भावुक करने वाला पल होता है, क्योंकि वे अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक चरण पूरा करते हैं। ये बात राज्यपाल रामेन डेका ने आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तीसरे भव्य दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। उन्होंने युवाओं को जीवन में सही दिशा चुनने, नशे से दूर रहने, अपने पेशे के प्रति पूरी तरह सजग रहने और माता-पिता का सदैव सम्मान करने की सलाह दी। राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर भी विशेष ध्यान देने पर जोर दिया, ताकि एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण किया जा सके।

समारोह के विशेष अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा थे, जबकि प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. जी सतीश रेड्डी ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्रों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने, अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान देने और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय रूप से भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. आरपी कौशिक और छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. शिवदयाल पांडे ने शैक्षणिक उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं है, बल्कि युवा को ज्ञानवान, जिम्मेदार और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाना है। विभिन्न संकायों के योग्य छात्रों को उपाधियां प्रदान की गई। डॉ. आदित्य खरे ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

# Guv urges youth to shun drugs, prioritise health

PIONEER NEWS SERVICE
Raipur

Chhattisgarh Governor Ramen Deka on Saturday urged students to use technology and artificial intelligence responsibly and focus on sustainable development while contributing to nation-building.

Addressing the third convocation ceremony of ICFAI University as the chief guest, Deka said students belonged to the internet age, unlike his generation, which acquired knowledge through books, teachers, pencils and chalk.

He said artificial intelligence had become important in the present era but should be used only to the extent necessary for the welfare of society. He cautioned students against excessive dependence on digital technology, describing digital addiction as a serious challenge.

The Governor said nuclear energy, climate change and microplastics were among the major challenges facing the world and stressed that development must be pursued alongside environmental sustainability.

Quoting the message of "Karma Yoga" from the Bhagavad Gita, Deka said action was the essence of life and advised students to concentrate on their work, studies and goals instead of worrying about others' opinions.He said knowledge acquired by students could not be taken away from them and encouraged them to listen to their inner voice and follow the right path.

Deka said education, science, technology and innovation should ultimately serve humanity and improve people's quality of life.

He noted that Chhattisgarh had abundant iron ore reserves that contributed significantly to the national economy and said efforts should now be made to develop the state as an education hub.He urged students to prepare a roadmap for their lives and work systematically towards their goals. They should stay away from substance abuse, maintain good physical and mental health and contribute to nation-building, he said.

Deka also said every section of society had a role to play in achieving the goals of a 'Viksit Bharat', 'Atmanirbhar Bharat' and a USD 5 trillion economy. During the convocation, 504 students were conferred undergraduate and postgraduate degrees. A total of 19 students received gold medals and 16 were awarded silver medals for their academic performance during the 2025 and 2026 sessions.

Dr V Satheesh Reddy, member of the National Security Advisory Board and defence scientist, and University Chancellor Professor R P Kaushik also addressed the graduating students.

University Vice-Chancellor Professor Dr Shiv Dayal Pandey delivered the welcome address and presented the university's annual report.Members of the university's Governing Council and Executive Council, deans, faculty members, students and their parents attended the ceremony.